**आदेश 40 नियम 1 सि. प्र. सं. के अधीन आवेदन**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में.............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

आवेदक निम्नलिखित रूप में अति सादर पूर्वक निवेदन करता है

1. यह कि प्रस्तुत वाद प्रतिवादियों के विरुद्ध............... में स्थित सम्पत्ति के कब्जे के लिए आवेदक द्वारा दाखिल किया जा चुका है।
2. यह कि उपर्युक्त वाणिज्यिक सम्पत्ति है और जब इसको किराये पर दिया जाता है तब यह...................रुपये प्रतिवर्ष से अधिक ले जाने आ रहा है।
3. यह कि प्रतिवादियों के पास इस आदरणीय न्यायालय की अधिकारिता के अन्दर स्वयं उनकी कोई सम्पत्ति नही है।
4. यह कि परिस्थितियों में, यह अतएव, न्याय के उद्देश्य में समीचीन है कि एक प्रापक वाद सम्पत्ति का कब्जा लेने तथा किराया वसूलने तथा इस आदरणीय न्यायालय में उसको जमा करने के लिए न्यायालय द्वारा नियुक्त किया जाय।

**प्रार्थना**

अतएव यह अति सादर पूर्वक प्रार्थना की जाती है कि एक प्रापक को कथित सम्पत्ति का कब्जा ग्रहण करने हेतु इस आदरणीय न्यायालय द्वारा नियुक्त कर दिया जाय।

यह तद्नुसार प्रार्थना की जाती है।

**आवेदक**

**जरिये**

**अधिवक्ता**

**स्थान....**

**तारीख......**